हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 50 | लखनऊ शनिवार 20 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

भारत-ओमान में सीईपीए सहित कृषि शिक्षा और नवाचार में सहयोग पर सहमति

भारत सरकार प्रवासियों के कल्याण को प्रतिबद्ध : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/मस्कट (ओमान)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विविधता को भारतीय संस्कृति की नींव बताते हुए गुरुवार को कहा कि यह एक ऐसा मूल्य जो उन्हें किसी भी समाज में घुलमिल जाने में मदद करता है। ओमान में भारतीय समुदाय के प्रति सम्मान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सह-अस्तित्व और सहयोग भारतीय प्रवासी समुदाय की पहचान रहे हैं। प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों के कल्याण के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी और जहां भी हमारे लोगों को मदद की जरूरत होती है, सरकार उनका हाथ थामने के लिए तत्पर रहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच मांडवी से लेकर मस्कट तक सदियों पुराने संबंध हैं और प्रवासी समुदाय कड़ी मेहनत और एकजुटता के माध्यम से इसे पोषित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने समुदाय के कल्याण के लिए सुल्तान हैथम बिन तारिक के समर्थन के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने आज मस्कट (ओमान) में भारतीय समुदाय की विशाल सभा को संबोधित किया। श्रोताओं में विभिन्न भारतीय स्कूलों के 700 से अधिक छात्र शामिल थे। ओमान में भारतीय स्कूलों के लिए यह वर्ष विशेष महत्व रखता है। यह देश में उनकी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत केवल बाजार नहीं बल्कि वस्तुओं और सेवाओं से लेकर डिजिटल समाधानों तक, दुनिया के लिए एक आदर्श है। उन्होंने पुष्टि की कि भारत-ओमान साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहयोग, डिजिटल शिक्षा, नवाचार साझेदारी और उद्यमिता आदान-प्रदान के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार हो रही है। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, गहन ज्ञान प्राप्त करने और साहसिक नवाचार करने का आह्वान किया ताकि वे मानवता के लिए सार्थक योगदान दे सकें। प्रधानमंत्री ने भारत की परिवर्तनकारी वृद्धि, परिवर्तन की गति और व्यापकता तथा पिछली तिमाही में 8 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि से परिलक्षित अर्थव्यवस्था की मजबूती के बारे में बात की। उन्होंने पिछले 11 वर्षों में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में अवसंरचना विकास, विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, हरित विकास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व स्तरीय नवाचार, स्टार्टअप और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करके 21वीं सदी के लिए खुद को तैयार कर रहा है। भारत की यूपीआई (जो वैश्विक स्तर पर किए गए सभी डिजिटल भुगतानों का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा है) गर्व और उपलब्धि का विषय है। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की हालिया उत्कृष्ट उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिनमें चंद्रमा पर उतरना और गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन की योजना शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष भारत और ओमान के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और छात्रों को इसरो के युवा कार्यक्रम युविका में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित

नई दिल्ली। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक ने भारत-ओमान संबंधों में उनके असाधारण योगदान और उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑर्डर ऑफ ओमान पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री ने यह सम्मान दोनों देशों की पुरानी दोस्ती को समर्पित किया। सुल्तान कबूस बिन सईद ने 1970 में इसे स्थापित किया था। ऑर्डर ऑफ ओमान कुछ चुनिंदा वैश्विक नेताओं को सार्वजनिक जीवन और द्विपक्षीय संबंधों में उनके योगदान की पहचान के रूप में दिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर इसे भारत और ओमान के बीच स्थायी दोस्ती की पुष्टि बताया। उन्होंने सम्मान दिए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने यह सम्मान भारत और ओमान के बीच पुरानी दोस्ती को समर्पित किया।

राष्ट्र की आत्मा संस्कृति में होती है : मुख्यमंत्री योगी

कलाकारों को सुरक्षित,सम्मानित और सशक्त वातावरण देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

लखनऊ संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के शताब्दी वर्ष समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र की आत्मा संस्कृति में होती है, जैसे किसी मनुष्य की आत्मा शरीर से सम्बंध छोड़ देती है तो शरीर निस्तेज हो जाता है। ऐसे ही राष्ट्र से उसकी संस्कृति अलग कर दिया जाय तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है, खंडहर हो जाता है, राष्ट्र अपनी पहचान खो देता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ÷इसी वर्ष हमने इस सदी के महाकुंभ का आयोजन किया, जिन लोगों को मान्यता थी कि आज का युवा अपनी संस्कृति से विमुख हो रहा है, उन्होंने देखा होगा कि इस महाकुंभ के आयोजन में 66 करोड़ से अधिक लोग आए। इसमे आने वाली सबसे बड़ी संख्या युवाओं की थी मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जगत का पहला स्वर है। जब आप योग में इसको सुनने का प्रयास करेंगे तो यह नाद की तरह गुंजायमान होगा। यही जगत की सच्चाई है। यही विज्ञान कहता है। अध्यात्म भी यही कहता है, यही संस्कृति भी कहती है, यही विश्वविद्यालय भी कह रहा है कि नाद के अधीन यह जगत है। उस नाद को पहचानने के लिए संगीत की अलग अलग विधाओं द्वारा की जाने वाली साधना संगीत का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य है जहां से सांसद के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी स्वयं देश की संसद में प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां पर अभी हमारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सोनल मान सिंह ने कहा कि यहां जब नृत्य करते हैं तो नटराज के रूप में भगवान शिव हमारे सामने दिखाई देते हैं। जब हम वीणा में अपने स्वर को लय दे रहे होते हैं तो साक्षात सरस्वती माता सरस्वती हमारे सामने होती हैं। हम जब कोई संवाद किसी नाटक में कर रहे होते हैं तो राम की मर्यादा हमारे सामने उस समय देखने को मिलती है और जब हम किसी रस में डूबे होते हैं तो कृष्ण की रस धारा भी हमारे साथ जुड़ती हुई दिखाई देती है। ये कहां मिलेगा सब कुछ तो उत्तर प्रदेश के अंदर मौजूद है।

भविष्य की हर चुनौती का मुकाबला करने के लिए तैयार रहे सेना: राजनाथ सिंह

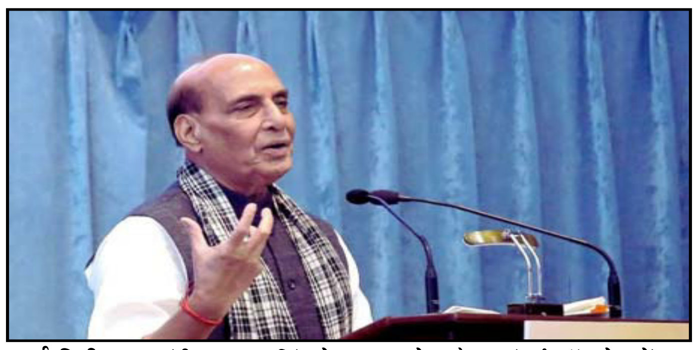

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को वायु सेना के कमांडरों से ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेने और भविष्य की हर चुनौती ?का मुकाबला करने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत की वायु सेना तकनीकी में उन्नत, ऑपरेशन में तेज, रणनीतिक रूप से आश्वस्त और भविष्य को ध्यान में रखने वाली फोर्स है, जो आज के समय में देश के हितों की रक्षा कर रही है। 21वीं सदी की लड़ाई सिर्फ हथियारों की लड़ाई नहीं है, यह विचार और प्रौद्योगिकी की लड़ाई है, लेकिन सरकार सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। नई दिल्ली में आज वायु सेना के कमांडर्स कॉन्क्लेव में रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की हाई-इम्पैक्ट, कम समय की ऑपरेशनल क्षमता दिखाई। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन के दौरान वायु सेना की हिम्मत, तेजी और सटीकता की तारीफ करते हुए कहा कि वायु योद्धाओं ने आतंकी कैंपों को तबाह किया और स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के गैर जिम्मेदाराना रिएक्शन को असरदार तरीके से संभाला। भारत की हवाई क्षमता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तानी सेना ने भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, तो भारत के लोग शांत रहे और अपने रोजाना के काम करते रहे। यह हमारी ऑपरेशनल तैयारियों में हर भारतीय के भरोसे का सबूत है। युद्ध के बदलते तरीके पर बात करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष, इजराइल-हमास युद्ध, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर इस बात के सबूत हैं कि एयर पावर आज के समय में एक अहम ताकत बनकर उभरी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरे इक्विपमेंट के असरदार इस्तेमाल की तारीफ करते हुए कहा कि साइबर वॉरफेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अनमैन्ड एरियल व्हीकल, सैटेलाइट-बेस्ड सर्विलांस और स्पेस-इनेबल्ड क्षमताएं लड़ाई के भविष्य को पूरी तरह से बदल रही हैं। राजनाथ सिंह ने भरोसा जताया कि सुदर्शन चक्र आने वाले समय में देश की संपत्ति की सुरक्षा में अहम भूमिका भाएगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी जेट इंजन बनाना एक राष्ट्रीय मिशन बन गया है, और सरकार इस लक्ष्य को पाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। रक्षा मंत्री ने बताया कि सरकार प्राइवेट सेक्टर के साथ मिलकर सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के मिशन पर काम कर रही है।

रूस की ट्रंप को कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली। वेनेजुएला संकट एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में प्रतिबंधित तेल टैंकरों की आवाजाही पर पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया है. जिसे उन्होंने श्टोटल एंड कंपलीट ब्लॉकेडश् कहा है। यह कदम निकोलस मादुरो सरकार पर दबाव बढ़ाने का हिस्सा है, जो तेल निर्यात से अपनी अर्थव्यवस्था चलाती है। अमेरिका ने पहले ही एक टैंकर जब्त किया है और कैरेबियन सागर में बड़ी नौसैनिक तैनाती की है। इसके जवाब में रूस ने कड़ी चेतावनी दी है। मॉस्को ने कहा कि वह उम्मीद करता है कि ट्रंप प्रशासन घातक गलती नहीं करेगा, क्योंकि इससे पूरे पश्चिमी गोलार्ध में अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं। गौरतलब है कि रूस वेनेजुएला को अपना करीबी सहयोगी मानता है और काराकास के साथ निरंतर संपर्क में है। क्रेमलिन ने संयम बरतने की अपील की है, जबकि वेनेजुएला ने अमेरिकी कदम को समुद्री डकैती करार दिया है।क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि हम निश्चित रूप से क्षेत्र के सभी देशों से स्थिति में किसी अप्रत्याशित विकास से बचने के लिए संयम बरतने का आह्वान करते हैं।

शांति विधेयक पर लगी संसद की मुहर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में नया अध्याय

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के रूपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा के संधारणीय दोहन और अभिवर्धन विधेयक 2025 यानी शांति विधेयक पर संसद ने अपनी मुहर लगा दी है। लोकसभा के बाद राज्य सभा में भी गुरुवार को छह घंटे से अधिक चली मैराथन बहस के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इससे पहले बुधवार को यह विधेयक लोकसभा से मंजूरी प्राप्त कर चुका था। राज्य सभा में विधेयक के पारित होने के दौरान विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया और इसे स्थायी समिति के पास भेजने की मांग की, हालांकि सरकार ने आपत्तियों को खारिज करते हुए विधेयक को मंजूरी दिला दी। विधेयक पर चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष ने इसे देश की ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए अहम करार दिया। जबकि विपक्ष ने सुरक्षा, दायित्व, निजीकरण और नियामक ढांचे को लेकर गंभीर सवाल उठाए। विपक्षी सदस्यों का कहना था कि इतने महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय पर पर्याप्त समय और गहन संसदीय जांच आवश्यक थी। परमाणु ऊर्जा विभाग में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह कानून बदले हुए समय, तकनीक और वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर लाया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 में जिस प्रकार के कानून का विरोध हुआ था, आज परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। उन्होंने कहा, तकनीक तेजी से बदल रही है और यह बदलाव गतिशील है। अब हम स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स के दौर में हैं, जो पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित हैं और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भी बिजली उत्पादन की क्षमता रखते हैं। डॉ. सिंह ने सदन को आश्वस्त किया कि शांति विधेयक के तहत अपनाए जाने वाले सुरक्षा मानक वही हैं, जो 1962 के परमाणु कानून में निर्धारित किए गए थे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ÷परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा।÷ उन्होंने यह भी कहा कि सरकार सभी सुझावों और आशंकाओं पर चर्चा के लिए तैयार है।

राजस्व वसूली बढ़ाने के साथ तय लक्ष्य समय से करें पूराः धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व वसूली बढ़ाने पर विशेष ध्यान देते हुए तय लक्ष्य समय पर पूरे किये जाएं। संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी एवं जिलाधिकारियों की जनपदों में इसकी नियमित निगरानी की जाए। कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एआई आधारित तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 की राजस्व प्राप्ति की स्थिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि राजस्व वसूली बढ़ाने पर विशेष ध्यान देते हुए तय लक्ष्य समय पर पूरे किये जाएं। संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी एवं जिलाधिकारियों द्वारा जनपदों में इसकी नियमित निगरानी की जाए। कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एआई आधारित तकनीक का अधिकतम इस्तेमाल किया जाए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि निबंधन एवं रजिस्ट्रेशन से संबंधित सभी कार्यों का डिजिटाइजेशन किया जाए।

जी राम जी विधेयक को लेकर घमासान...

वीबी- जी राम जी विधेयक लोकसभा से पारित

नई दिल्ली,एजेंसी। विकसित भारत - गॉरंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक-2025 यानी विकसित भारत-जी राम जी विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पारित हो गया। इससे पहले विधेयक पर लंबी चर्चा हुई। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष को जमकर कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मनरेगा को मोदी सरकार ने बहुत अच्छे से चलाया, जबकि कांग्रेस सरकार ने तो इसके नाम पर केवल ढोंग किया और 2009 के चुनाव के समय चुनावी लाभ लेने के लिए महात्मा गांधी का नाम नरेगा में जोड़ा था। चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने तो आपातकाल लगाकर और देश में भ्रष्टाचार व घोटाले करके बापू के आदर्शों की हत्या की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मजदूरों को पर्याप्त रोजगार नहीं दिया था, जबकि मोदी सरकार ने इसके लिए 1.51 लाख करोड़ रुपये का बजट रखा है। उन्होंने कहा कि इस सदन में रात डेढ़ बजे तक, हमने सदस्यों के विचार सुने, अब जवाब देना मेरा अधिकार है, अपनी बात सुना देना, फिर जवाब ना सुनना, ये लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार करना है, संविधान की धज्जियां उड़ाना है। ये बापू के आदर्शों की हत्या भी कर रहे हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि बापू हमारी श्रद्धा हैं, आदर्श हैं, प्रेरणा हैं, विश्वास हैं, इसलिए भाजपा ने अपनी पंचनिष्ठा में गांधी जी के सामाजिक, आर्थिक दर्शन को स्थान दिया। हम गांधीजी के आदर्शों पर चलने वाले लोग हैं, गांधीजी ने कहा था- गांव भारत की आत्मा है, अगर गांव मर जाएंगे तो भारत मर जाएगा। अपना हिंदुस्तान हमारे गांवों में बसा है, यह बिल गांवों के विकास का बिल है। चौहान ने कहा कि विधेयक पर चर्चा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी व्यर्थ में घसीटा गया। संघ व्यक्ति निर्माण में विश्वास करता है- देशभक्त, चरित्रवान, ईमानदार, परिश्रमी व्यक्ति। शिवराज सिंह ने कहा कि संघ के विचार कभी भी सीमित और संकीर्ण नहीं रहे। व्यक्तिगत हितों से ऊपर उसके लाखों कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के पवित्र काम में लगे हैं। सरसंघचालक मोहन भागवत के विचार पढ़ लीजिए, हिंदू तो संकीर्ण नहीं है।

बंगाल में उद्योगपतियों को डराया गया तो निवेश नहीं आएगा : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि अगर उद्योगपतियों को केंद्रीय जांच एजेंसियों के जरिए परेशान किया गया, तो राज्य में कारोबार और निवेश नहीं आएगा। उन्होंने साफ कहा कि डर के माहौल में कोई भी उद्योग आगे नहीं बढ़ सकता। कोलकाता में आयोजित एक व्यापार और उद्योग सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बार-बार एजेंसियों का डर दिखाकर कारोबारियों को असहज किया जा रहा है। इससे वे हमेशा आशंकित रहते हैं। उन्हें लगता है कि कब, क्या हो जाए, कोई भरोसा नहीं। ऐसे माहौल में उद्योग कैसे आगे बढ़ेगा। ममता बनर्जी ने कहा कि उद्योगपतियों को स्वतंत्र होकर काम करने देना चाहिए। सरकार का काम हर कारोबार में दखल देना नहीं है। उद्योगों को भी आज़ादी चाहिए। मुख्यमंत्री ने वस्तु एवं सेवा कर (टैक्स) को लेकर केंद्र सरकार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अब राज्यों के पास अपना अलग कर नहीं है। देश में एक ही कर व्यवस्था है। शुरुआत में इसे देशहित में माना गया था और तत्कालीन वित्त मंत्री अमित मित्रा की सलाह पर इसका समर्थन किया गया था। लेकिन अब केंद्र सरकार राज्य के हिस्से का पैसा भी रोक रही है। ममता बनर्जी ने कहा कि जीएसटी से पश्चिम बंगाल के करीब 20 हजार करोड़ रुपये काट लिए गए हैं। यह पैसा विकास और आर्थिक मजबूती के लिए था। उन्होंने सवाल किया कि इसमें राज्यों का नुकसान कहां और फायदा कहां है। मुख्यमंत्री ने राज्य की छवि को बदनाम करने की कोशिशों पर भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जान-बूझकर बंगाल को बदनाम करना चाहते हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि राज्य कितना बदल चुका है। आज बंगाल एक बड़ा लॉजिस्टिक केंद्र बन चुका है। यह दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी भारत और उत्तर पूर्वी राज्यों का प्रवेश द्वार है। इसके आसपास झारखंड, बिहार और ओडिशा जैसे राज्य हैं, जिससे इसकी रणनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल एक शांतिपूर्ण राज्य है। सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही नकारात्मक बातें और वीडियो पूरी तरह फर्जी हैं। इनका मकसद राज्य की छवि खराब करना है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि कोई भी ताकत बंगाल को नुकसान नहीं पहुंचा सकती।

मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

-ललित गर्ग-
****

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि 'एकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकी', 'युवा-नेतृत्व वाली एकजुटता' और 'सतत विकास लक्ष्यों के लिए एकजुटता' जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है, तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी, गरीबी, अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध, आतंक, हिंसा, नस्लवाद, धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल नये मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज-संरचना की प्रेरणा है, बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे, मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र, धर्म, भाषा, रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब ÷सभी मानव पहले मानव÷ की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। भारतीय चिंतन ने सदियों पहले ÷वसुधैव कुटुम्बकम्÷ का जो सूत्र दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख, सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित

से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं, आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी। आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज़ को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है, जो न धर्म को मानता है, न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह-अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सहस्राब्दी घोषणापत्र में एकजुटता को इक्कीसवीं सदी के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक बताया गया है, जिसके अनुसार सबसे कम पीड़ित या सबसे कम लाभान्वित लोगों को सबसे अधिक लाभान्वित लोगों से सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए, वैश्वीकरण और बढ़ती असमानता की चुनौती के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करना अपरिहार्य है। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस बात से आश्वस्त है कि गरीबी से लड़ने के लिए एकजुटता की संस्कृति और साझा करने की भावना को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। गरीबी उन्मूलन के लिए विश्व एकजुटता कोष की स्थापना और अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस की घोषणा जैसी पहलों के माध्यम से, एकजुटता की अवधारणा को गरीबी के खिलाफ लड़ाई में और सभी संबंधित हितधारकों की भागीदारी में महत्वपूर्ण के रूप में बढ़ावा दिया गया। मानव एकजुटता का अर्थ केवल संकट के समय सहायता करना नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में संवेदनशीलता, करुणा, समानता और सहानुभूति को अपनाना है। जब हम किसी दूसरे देश के युद्ध पीड़ितों को केवल समाचार की सुर्खी मानकर आगे बढ़ जाते हैं, तब हमारी मानवता कहीं न कहीं मर जाती है। जब शरणार्थियों को बोझ समझा जाता है और गरीब देशों की पीड़ा को अनदेखा किया जाता है, तब वैश्विक एकता का विचार खोखला प्रतीत होता है। मानव एकता का संदेश यह है कि किसी भी कोने में बहाया गया रक्त, पूरी मानवता को आहत करता है और कहीं भी बहाया गया आँसू, हमारी सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह दिवस हमें सिखाता है कि विविधता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भाषाएँ अलग हों, पूजा-पद्धतियाँ अलग हों, पर मनुष्य की पीड़ा, उसकी आशा और उसका सपना हर जगह एक जैसा होता है। हिंसा और युद्ध के इस दौर में शांति की भाषा बोलना साहस का कार्य है। शांति केवल हथियारों के मौन का नाम नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सम्मान से उपजा हुआ विश्वास है। जब तक दुनिया में गहरी आर्थिक असमानता रहेगी, जब तक कुछ देशों का विकास दूसरों के शोषण पर आधारित रहेगा, तब तक वास्तविक मानव एकता संभव नहीं है। इसलिए मानव एकजुटता दिवस सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी माँग करता है। यह याद दिलाता है कि संपन्नता का उद्देश्य केवल उपभोग नहीं, बल्कि साझेदारी है और शक्ति का उद्देश्य केवल प्रभुत्व नहीं, बल्कि संरक्षण है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा, मीडिया और राजनीति मानव एकता के मूल्यों को बढ़ावा दें। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाए कि दूसरे का दर्द समझना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं में वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित हो, जिसमें वे स्वयं को केवल किसी एक राष्ट्र का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का उत्तरदायी सदस्य मानें। तकनीक का उपयोग नफरत फैलाने के लिए नहीं, बल्कि संवाद और समझ बढ़ाने के लिए हो। तभी यह दिवस केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं रहेगा, बल्कि जीवन की एक जीवंत प्रेरणा बन सकेगा। एकजुटता का अर्थ केवल सरकारी संबंध ही नहीं, बल्कि समस्त जन कल्याण भी है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार और सामाजिक विकास संबंधी पहलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी समतापूर्ण दुनिया का निर्माण करना है जहाँ सभी को विकास के अवसर प्राप्त हों। यह प्रतिबद्धता एकजुटता के आधारशिला के रूप में सार्वभौमिक प्रगति में गहरी आस्था को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र की एकजुटता की अवधारणा ही उसके मिशन का आधार है। सामूहिक सुरक्षा एक ऐसा सिद्धांत है जो राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

संम्पादकीय

मौत की धुंध

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफसे क्यों नहीं की जाती? विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है।

यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह-जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल-ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं। जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी।

काकोरी कांड आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय

– योगेश कुमार गोयल
****

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारी केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माने जाते हैं। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है। बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। साल 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधीजी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे

मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप साल 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति रामप्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था 8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के 10 क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींच कर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने 4 क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और रोशन सिंह को अलग-अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया। काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा।

आज का राशिफल

मेष	निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।	मिथुन	संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।
वृषभ	आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।	कर्क	बीती बातों को भूलने की कोशि करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।
सिंह	नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।	तुला	महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।
कन्या	किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।	वृश्चिक	परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।
धनु	मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।	कुंभ	राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।
मकर	विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।	मीन	आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी विरोधी हिंसा

-डॉ. सत्यवान सौरभ

ऑस्ट्रेलिया को लंबे समय तक ऐसे बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र के रूप में देखा गया है, जहाँ विविध धार्मिक, नस्ल और सांस्कृतिक समुदायों ने अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का अनुभव किया। यहूदी समुदाय भी इस सामाजिक संरचना का सशक्त और सम्मानित हिस्सा रहा है। किंतु हाल के वर्षों में, विशेषकर साल 2023 के बाद यहूदी संस्थानों, सभास्थलों और व्यक्तियों के विरुद्ध लक्षित हिंसा की घटनाओं में वृद्धि ने इस धारणा को गंभीर चुनौती दी है। आगजनी, नफ़रत, धमकियाँ और हमलों की घटनाएँ केवल आपराधिक कृत्य नहीं हैं बल्कि वे ऑस्ट्रेलियाई समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण, असहिष्णुता और असुरक्षा की गहरी परतों को उजागर करती हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यहूदी विरोधी हिंसा क्यों बढ़ रही है और शासन व्यवस्था आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नागरिक स्वतंत्रता का संतुलन कैसे बनाए। यहूदी विरोधी हिंसा के उभार को समझने के लिए सबसे पहले वैश्विक भू-राजनीतिक संदर्भ पर ध्यान देना आवश्यक है। इज़राइल-ग़ाज़ा संघर्ष जैसे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रह गए हैं। डिजिटल मीडिया और वैश्विक सूचना प्रवाह के कारण इनका प्रभाव दूरस्थ समाजों तक तत्काल पहुँचता है। ऑस्ट्रेलिया में भी इस संघर्ष ने भावनात्मक ध्रुवीकरण को जन्म दिया है, जहाँ विदेश नीति या सैन्य कार्रवाइयों की आलोचना कई बार यहूदी समुदाय के सामूहिक दोषारोपण में बदल जाती है। राजनीतिक असहमति और धार्मिक-जातीय पहचान के बीच की यह रेखा धुंधली पड़ना यहूदी विरोधी हिंसा को वैचारिक वैधता प्रदान करता है। इसके साथ ही चरमपंथी विचारधाराओं का विस्तार एक गंभीर कारक बनकर उभरा है। दक्षिणपंथी अतिवाद, श्वेत वर्चस्ववादी सोच और कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क लंबे समय से यहूदियों को षड्यंत्र सिद्धांतों से जोड़ते रहे हैं। डिजिटल युग में इन विचारों का प्रसार तेज़ और व्यापक हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और ऑनलाइन फ़ोरम ऐसे 'इको-चैम्बर्स' बनाते हैं, जहाँ नफ़रत को सामान्य व्यवहार की तरह प्रस्तुत किया जाता है। जब व्यक्ति लगातार एक ही प्रकार की भड़काऊ सामग्री देखता है तो हिंसा धीरे-धीरे वैध और आवश्यक प्रतिक्रिया के रूप में चित्रित होने लगती है। दुष्प्रचार और साजिश की कथाएँ भी यहूदी विरोधी हिंसा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐतिहासिक रूप से यहूदियों को आर्थिक संकटों, महामारी और राजनीतिक अस्थिरता के लिए दोषी ठहराने की प्रवृत्ति रही है। आधुनिक समय में यही प्रवृत्ति सोशल मीडिया के माध्यम से नए रूप में सामने आती है। कोविड-19 महामारी, वैश्विक आर्थिक मंदी या अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से जुड़ी जटिलताओं को यहूदी समुदाय से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। बार-बार दोहराए जाने पर ये झूठे आख्यान सामाजिक चेतना में स्थान बना लेते हैं और हिंसा के लिए मानसिक आधार तैयार करते हैं। आंतरिक सुरक्षा ढांचे की कुछ संरचनात्मक कमजोरियाँ भी इस समस्या को गहराती हैं। हाल की घटनाओं ने यह सवाल उठाया है कि हथियार लाइसेंसिंग प्रणाली, मानसिक स्वास्थ्य आकलन और खुफिया निगरानी कितनी प्रभावी है। यदि संभावित हिंसक प्रवृत्तियों के संकेत समय रहते पहचान में न आएँ तो तथाकथित 'लोन वुल्फ' हमले गंभीर नुकसान पहुँचा सकते हैं। यह केवल पुलिस की विफलता नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था को चुनौती है, जहाँ जोखिमों का पूर्वानुमान और समय पर हस्तक्षेप अत्यंत आवश्यक होता है। इन परिस्थितियों में शासन के सामने आंतरिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। लोकतांत्रिक समाज में सुरक्षा का अर्थ केवल कठोर कानून और निगरानी नहीं हो सकता। राज्य की पहली जिम्मेदारी कानून के शासन को बनाए रखना है, जिसमें घृणा अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई शामिल है। यहूदी विरोधी हिंसा के मामलों में सख़्त अभियोजन और दंड का स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि समाज में नफ़रत और हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। साथ ही, पीड़ितों को न्याय और सहायता उपलब्ध कराना विश्वास बहाली के लिए अनिवार्य है। खुफिया तंत्र का समन्वय आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ है। संघीय और राज्य स्तर की एजेंसियों के बीच सूचना साझा करने में देरी या असंगति संभावित खतरों को अनदेखा कर सकती है। ऑनलाइन कट्टरपंथ की निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण और समय रहते हस्तक्षेप- ये सभी उपाय आवश्यक हैं। किंतु यह निगरानी लक्षित और अनुपातिक होनी चाहिए। अंधाधुंध निगरानी न केवल नागरिकों की गोपनीयता का उल्लंघन करती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी पैदा कर सकती है। डिजिटल स्पेस का शासन आज आंतरिक सुरक्षा का अनिवार्य घटक बन चुका है। ऑनलाइन घृणा से भाषण और दुष्प्रचार को नियंत्रित किए बिना यहूदी विरोधी हिंसा पर अंकुश लगाना कठिन है। इसके लिए प्लेटफ़ॉर्म जवाबदेही, पारदर्शी नियम और त्वरित कार्रवाई तंत्र आवश्यक हैं। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वैध राजनीतिक असहमति और शांतिपूर्ण विरोध को दबाया न जाए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल है और सुरक्षा उपायों को इसे कमजोर नहीं करना चाहिए। आंतरिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण किंतु अक्सर उपेक्षित पक्ष सामुदायिक सहभागिता है। यहूदी समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ विश्वास आधारित संवाद सुरक्षा प्रयासों को अधिक प्रभावी बनाता है। जब समुदाय स्वयं को राज्य का साझीदार महसूस करता है तो वह संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने और कट्टरपंथी प्रभावों का प्रतिरोध करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। सामुदायिक नेताओं की भागीदारी, शिकायत निवारण तंत्र और पीड़ित सहायता सेवाएँ सामाजिक एकजुटता को मजबूत करती हैं। शिक्षा और सार्वजनिक विमर्श दीर्घकालिक समाधान की कुंजी हैं।

2025 में भारत-अमेरिका संबंध सबसे निचले स्तर पर, पाकिस्तान भी एक फैक्टर : अपर्णा पांडे

वॉशिंगटन। 2025 में भारत-अमेरिका के संबंध दशकों में सबसे मुश्किल दौर में से एक रहे हैं। दोनों देशों के संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण एशिया के एक टॉप विशेषज्ञ ने कहा कि ट्रंप सरकार इसे रणनीतिक नजरिए से देखने के बजाय लेन-देन के नजरिए से देख रही है। हडसन इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक में कार्यरत सीनियर कर्मी अपर्णा पांडे ने आईएएनएस को एक इंटरव्यू में बताया, यह साल, मान लीजिए, सबसे मुश्किल सालों में से एक रहा है। एक स्तर पर, यह एक ऐसा साल रहा है जिसमें भारत-अमेरिका के संबंध लगभग सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। इसे ठीक होने में समय लग सकता है। इसमें कुछ महीने और कुछ साल भी लग सकते हैं। अपर्णा पांडे ने कहा कि इसके ठीक होने की रफ्तार और दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि वॉशिंगटन नई दिल्ली के साथ

अपने जुड़ाव को कैसे देखता है। यह सब इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिकी सरकार भारत के साथ साझेदारी को एक रणनीतिक संबंध के तौर पर देखती है या इसे सिर्फ लेन-देन या सामरिक नजरिए से देखती है।
जब उनसे पूछा गया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सरकार अभी भारत को कैसे देखती है, तो अपर्णा पांडे ने कहा, अभी तक ऐसा लगता है कि ट्रंप प्रशासन लगभग सभी देशों के साथ अपने संबंधों को लेनदेन और सामरिक नजरिए से देख रहा है। इस समय दोनों देशों के बीच इसी पर आधारित संबंध हैं। इनके बीच कोई रणनीतिक साझेदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि साल 2025 की शुरुआत बहुत अच्छी रही थी। फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच बैठक हुई। उन्होंने याद दिलाया कि दोनों नेताओं ने पिछले 35 सालों में जो हुआ था, उस पर आधारित पहल की घोषणा की थी। दुर्भाग्य से उसके बाद चीजें आगे नहीं बढ़ीं। भारत और अमेरिका के बीच यह एक बड़ा कूटनीतिक ठहराव है, लेकिन ऑपरेशन स्तर का संबंध जारी है। व्यापार को लेकर अपर्णा पांडे ने जोर दिया कि मौजूदा झगड़े नए नहीं हैं। इन सभी मुद्दों पर हम 35 साल से बात कर रहे हैं। पिछली अमेरिकी सरकारों ने माना था कि भारत के साथ व्यापार में थोड़ी दिक्कत होगी और उसी हिसाब से बदलाव किए थे।
उन्होंने कहा कि सिर्फ व्यापार और टैरिफ पर ट्रंप सरकार के फोकस की वजह से हम व्यापार समझौते पर आगे नहीं बढ़ पाए हैं। पांडे ने आगे कहा कि भारत ने अमेरिकी सरकार के सामने एक बहुत अच्छे व्यापार समझौते का ड्राफ्ट पेश किया था, लेकिन आखिरी नतीजा राष्ट्रपति ट्रंप के इस फैसले पर निर्भर कर सकता है।
पांडे ने यह भी कहा कि रूस के साथ-साथ अमेरिका-भारत रिश्तों में खिंचाव का एक फैक्टर पाकिस्तान भी है। उन्होंने कहा, एक स्तर पर पाकिस्तान हमेशा से जानता है कि अमेरिकी सरकार को कैसे खुश या संतुष्ट करना है। हालांकि पिछली अमेरिकी सरकारों ने पाकिस्तान को ज्यादातर नजरअंदाज किया, लेकिन मौजूदा सरकार को लगता है कि पाकिस्तान से उन्हें कुछ फायदा मिल सकता है।
एक सवाल के जवाब में, उन्होंने मध्यपूर्व से लेकर जरूरी मिनरल्स के क्षेत्र तक के इलाकों में पाकिस्तान की मानी जाने वाली उपयोगिता की ओर इशारा करते हुए कहा, अमेरिका-पाकिस्तान का संबंध कितना बढ़ सकता है, इसकी एक अंदरूनी सीमा है। यह आतंकवाद के विरुद्ध, घरेलू स्थिरता और सीमित आर्थिक जुड़ाव तक ही सीमित रहेगा। मुझे नहीं लगता कि हम कोल्ड वॉर के दौर में वापस जा रहे हैं।
2026 को लेकर पांडे ने कहा, हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं, जहां अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल है। व्यापार समझौते, कोर लीडर्स समिट और आगे के भारतीय आर्थिक सुधार, जिसमें लेबर रिफॉर्म, इंश्योरेंस में बदलाव और शायद न्यूक्लियर लायबिलिटी बिल शामिल हैं।

विकास प्राधिकरण पर भ्रष्टाचार का आरोप, चार सूत्री मांगों को लेकर धरना

आजमगढ़। आजमगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के विरोध में भारतीय जनता पार्टी आजमगढ़ के नेता एवं उत्तर प्रदेश अभिभावक महासंघ के सचिव गोविन्द दुबे के नेतृत्व में गुरुवार को डॉ. अंबेडकर पार्क में धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने एडीए के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।
धरने को संबोधित करते हुए गोविन्द दुबे ने कहा कि योगी सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त शासन के संकल्प को आजमगढ़ विकास प्राधिकरण पूरा नहीं होने दे रहा है। एडीए की कार्यशैली भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का पर्याय बन चुकी है। भू-उपयोग परिवर्तन, नक्शा पास कराने, अवैध निर्माण को संरक्षण देने तथा नियमों के खुले उल्लंघन जैसे कार्य धड़ल्ले से किए जा रहे हैं। एडीए की पहचान जनता पर नोटिस व दबाव बनाकर शोषण करने वाले विभाग के रूप में हो गई है। उन्होंने कहा कि जब तक इन अनियमितताओं पर अंकुश नहीं लगेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।शमानंद पाण्डेय ने आरोप लगाया कि तहसील सदर के नीबी स्थित गाटा संख्या 139 को कृषिगत हरित जोन दर्शाकर उसकी बाउंड्री और अस्थायी निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया, जबकि उसी गाटा की अन्य 12 रजिस्ट्रियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे एडीए की दोहरी मानसिकता उजागर होती है, जिससे जनता में गहरा असंतोष व्याप्त है।उन्होंने बताया कि चार सूत्री मांगों में एडीए के सभी संदिग्ध कार्यों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच, दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई, नक्शा स्वीकृति व निर्माण प्रक्रिया को पारदर्शी, ऑनलाइन और ट्रैक योग्य बनाना तथा आम जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण शामिल है।समाजसेवी डीएन सिंह ने कहा कि कानून की व्यवस्थाएं लोकहित में होती हैं, लेकिन एडीए के अधिकारी और कर्मचारी मनमाने ढंग से धन उगाही कर जनता का शोषण कर रहे हैं, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।धरने में डॉ. राकेश राय, अरुण चौरसिया, अनिल तिवारी, सुजीत मिश्रा, देवनारायण सिंह, बलबीर सिंह, युधिष्ठिर दूबे, संदीप सिंह 'रिंकू', आशीष तिवारी, दिना मिश्रा सहित कई लोग मौजूद रहे।

भारत-अमेरिका के व्यापार संबंधों के लिए 2026 की पहली तिमाही होगी काफी अहम : रिचर्ड रोसो

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के रिश्तों ने साल 2025 में कई उतार-चढ़ाव देखे। साल की शुरुआत में जहां दोनों देशों के बीच कूटनीतिक स्तर पर अच्छी तेजी दिखी, वहीं आगे चलकर व्यापार से जुड़े मतभेद और कुछ भू-राजनीतिक मुद्दों पर असहमति भी सामने आई। हालांकि अब हालात धीरे-धीरे स्थिर हो रहे हैं और दोनों देश 2026 को ज्यादा सकारात्मक और उत्पादक बनाने की दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। यह बात अमेरिका में भारत मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञ रिचर्ड रोसो ने एक साक्षात्कार में कही है। वाशिंगटन स्थित सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) में भारत और उभरती एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर काम कर रहे रिचर्ड रोसो ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, यह रिश्ता साफ तौर पर उतार-चढ़ाव भरा रहा है।उन्होंने कहा कि भारत उन देशों में शामिल था, जिन्होंने अमेरिका के साथ शुरुआत में ही बेहतर तरीके से संपर्क बनाया। इसमें राष्ट्राध्यक्ष स्तर की मुलाकात और क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक जैसे अहम कदम शामिल थे। हालांकि, कुछ समय बाद मतभेद सामने आने लगे।रोसो ने बताया कि भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर अलग-अलग नजरिया है और भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद जारी रखने पर वॉशिंगटन में चिंता बढ़ी। इसके बावजूद रोसो का मानना है कि मौजूदा दौर पहले की तुलना में कहीं ज्यादा शांत है।उन्होंने कहा, अब तक व्यापार समझौता पूरा नहीं हुआ है। रोज-रोज की तीखी बयानबाजी भी नहीं दिखती। यह माहौल 2026 में रिश्तों को ज्यादा मजबूत बनाने की नींव रख सकता है।व्यापार के मुद्दे पर रोसो ने माना कि भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण बाजार रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद कुछ ऐसे कदम उठाए गए जिनसे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में निर्यात करना मुश्किल हुआ। ये नीतियां आज भी अमेरिका की सोच को प्रभावित करती हैं, खासकर राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए से।उन्होंने यह भी कहा कि भारत की व्यापार नीति में समय के साथ बदलाव आया है। आयात शुल्क में कटौती, स्थानीय निर्माण की अनिवार्यता में कमी और ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ बड़े व्यापार समझौते इसके उदाहरण हैं।राजनीतिक स्तर पर आई डगमगाहट के बावजूद, व्यापारिक आंकड़े मजबूत बने हुए हैं। रोसो ने कहा कि आयात और निर्यात दोनों में साल-दर-साल बढ़ोतरी दिख रही है।2025 के व्यापार आंकड़ों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर उच्च सिंगल-डिजिट ग्रोथ देखने को मिल सकती है। हालांकि, उन्होंने हाल के महीनों में भारतीय निर्यात में आई गिरावट की ओर भी इशारा किया।
रोसो ने कृषि क्षेत्र को व्यापार समझौते में सबसे बड़ी अड़चन बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के बुनियादी कृषि उत्पादों तक पहुंच की मांग कर रहे हैं। यह भारत के लिए संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि देश में बड़ी संख्या में किसान हैं, जिनके पास वैकल्पिक रोजगार के सीमित अवसर हैं। ऐसे में बड़े स्तर पर उदारीकरण सामाजिक और राजनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है।भारत के पक्ष का समर्थन करते हुए रोसो ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था असमान है। जहां एक ओर सेवा क्षेत्र काफी उत्पादक है, वहीं कृषि क्षेत्र की उत्पादकता कम है। उन्होंने कहा कि सुधार धीरे-धीरे और संतुलित तरीके से होने चाहिए ताकि लोगों की जिंदगी पर अचानक नकारात्मक असर न पड़े।
निवेश के मोर्चे पर रोसो ने भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर में अमेरिका की अरबों डॉलर की प्रतिबद्धताओं को दीर्घकालिक सोच का संकेत बताया।

न्यू टाउन के बांग्लादेशी बस्ती में धमाकों के बीच भीषण आग, घटना स्थल पर दमकल के 10 इंजन

कोलकाता। न्यू टाउन में इको पार्क के पास एक बांग्लादेशी बस्ती में भीषण अगलगी की घटना से हड़कंप मच गया तो अफरा तफरी भी मची। में आग लग गई। देखते ही देखते आग कुछ ही मिनटों में पूरी झुग्गी में फैल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार उक्त बस्ती इलाके में सौ से ज्यादा झोपड़ियां है। जैसे-जैसे आग फैलती गई एक के बाद एक झोपड़ियां जलने लगीं। आग के कारण पूरा इलाका काले धुएं से ढक गया।खबर के लिखे जाने तक झुग्गी में आग लगने की सही वजह अभी साफ नहीं हुई है। यह भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि बस्ती में बड़ी मात्रा में बांस, तिरपाल और अन्य ज्वलनशील चीजें भी हो सकती हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग के बीच से धमाकों की आवाजे आ रही थी। ऐसे में धमाकों की आवाज से दहशत और बढ़ी। दमकल के 10 इंजन मौके पर पहुंच कर आग बुझाने का काम कर रहे थे। बताया जा रहा

है कि भीड़भाड़ वाली सड़कों और झुग्गी के आस-पास के इलाके की वजह से फायर ब्रिगेड का काम मुश्किल हो रहा था। बहरहाल संतोष की बात तो यह है कि, किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। झोपड़ी में रहने वाले लोगों को जल्दी से निकालने का इंतजाम किया गया है। उक्त खबर मिलते ही विधाननगर पुलिस कमिश्नर मुकेश कुमार मौके पर पहुंचे। चश्मदीदों का कहना है कि झोपड़ी के अंदर से गैस सिलेंडर फटने की आवाज आ रही थी। आग लगने को लेकर विपक्ष ने अभी से सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। भाजपा नेता सजल घोष ने आरोप लगाया कि, 'खाली जगह पर आग कैसे लगी? वहां रहने वाले पहले से ही बेघर हैं। क्या उस जगह पर किसी प्रमोटर का ध्यान नहीं गया?' उन्हें लगता है कि वजह आगे पता चलेगी। वहीं विधाननगर नगरपालिका के चेयरमैन सब्यसाची दत्ता ने कहा कि उन्होंने पुलिस और फायर को फोन करके घटना की जानकारी दी। विपक्ष के आरोपों के बारे में सब्यसाची ने कहा, 'यह बस एक हादसा है। लोग अभी भी वहां रह रहे हैं।

संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने किया भाजपा कार्यालय घेरने की कोशिश

बस्ती। गुरूवार को प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के नेतृत्व में उग्र प्रदर्शन किया। कडाके की ठंड, शीतलहर के बीच कांग्रेस नेता शास्त्री चौक पर एकत्र हुये और भारतीय जनता पार्टी कार्यालय घेर कर प्रदर्शन करने के उद्देश्य से सरकार विरोधी नारा लगाते हुये आगे बढे। भारी पुलिस बल ने कांग्रेस नेताओं को शास्त्री चौक पर ही रोक लेने का प्रयास किया किन्तु कांग्रेस नेता दीवानी कचहरी गेट के निकट तक पहुंचे जहां से उन्हें भारतीय जनता पार्टी कार्यालय तक नहीं जाने दिया गया।कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ई.डी., सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरूपयोग कर लोकतंत्र को तानाशाही की ओर ले जा रही है किन्तु कांग्रेस इसे पूरा नहीं होने देगी। कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ ही समूची कांग्रेस वोट चोर गद्दी-छोड़, ई.डी., सीबीआई के दुरूपयोग का संदेश गांव- गांव तक पहुंचा रही है। नेशनल हेरल्ड मामले में जिस प्रकार से श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी के साथ ही अनेक नेताओं को फर्जी मनगढन्त मामलों में फंसाने का दुष्चक्र रचा गया। आदलत के आदेश ने सिद्ध कर दिया है कि सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं।पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', अनिल भारती, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, शौकत अली नन्हू, संदीप श्रीवास्तव, अलीम अख्तर, डा. आलोक रंजन, बाबूराम सिंह, नर्वदेश्वर शुक्ल, लक्ष्मी यादव, डा. शीला शर्मा आदि ने कहा कि भाजपा देश के संस्थानों पर कब्जा जमाकर लोकतंत्र का गला घोट रही है। कहा कि नेशनल हेरल्ड मामले में जिस प्रकार से फैसला आया है उससे सिद्ध हो चुका है कि सरकार कांग्रेस और विपक्षी दलों के नेताओं को फर्जी मामलों में फंसा रही है। कहा कि देश की जनता परेशान है, डालर के मुकाबले रूपया लगातार गिर रहा है किन्तु भाजपा उपलब्धियों का ढोल पीट रही है। जनता अब सब समझ चुकी है। भाजपा के मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। वोट चोर गद्दी-छोड़, ईडी, सीबीआई के दुरूपयोग आदि मुद्दों को लेकर कांग्रेस द्वारा किये गये आन्दोलन में मुख्य रूप से गिरजेश पाल, रामधीरज चौधरी, अमर बहादुर शुक्ल, शेर मोहम्मद, सुधीर यादव, आलोक तिवारी, दूधनाथ पटेल, रविन्द्र सिंह, डीएन शास्त्री, राहुल चौधरी, राम बचन भारती, अतीउल्ला सिद्दीकी चन्द्रशेखर वर्मा, विनय तिवारी, अनूप पाठक, सलाहुद्दीन, मो. अशरफ अली, सुनील पाण्डेय, जगदीश शर्मा, राम पूरन चौधरी, राम बहादुर सिंह, अफजल हुसेन, यशराज के.के., प्रताप नरायन मिश्र, वृजभान कन्नौजिया, उमेश उपाध्याय, राजकपूर, अजय सिंह, साधू पाण्डेय, दिलीप श्रीवास्तव, प्रशान्त पाठक, विश्वजीत, शुभम गांधी, विशाल गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता, शंकर यादव, निशान्त श्रीवास्तव, राजेन्द्र विक्रम, जय प्रकाश चौबे, दुर्गेश चौधरी, बसन्त चौधरी, विष्णुमणि त्रिपाठी, मनीष दूबे, शोभित चौधरी, फकरूद्दीन खान के साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

बांग्लादेश में बढ़ती राजनीतिक और धार्मिक हिंसा पर ब्रिटेन की संसद में चर्चा, सांसदों ने जताई चिंता

लंदन । बांग्लादेश में जारी हिंसक घटनाओं की चर्चा ब्रिटेन की संसद तक शुरू हो गई है। दरअसल, ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने संसद में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस इवेंट में बांग्लादेश में राजनीतिक और धार्मिक हिंसा में खतरनाक बढ़ोतरी और लोकतंत्र के लिए बढ़ते खतरों को लेकर चर्चा हुई। कार्यक्रम में बांग्लादेश यूनिटी फोरम और डॉटी स्ट्रीट चैंबर्स के बैरिस्टर आदि शामिल हुए। बांग्लादेश में जिस तरह के हालात बने हुए हैं, वह पूरी दुनिया के सामने है। इसे लेकर अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भी चिंता जाहिर की है। अगले साल फरवरी में आम चुनाव से पहले चुनावी हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। यूनुस की अंतरिम सरकार में अवामी लीग पर चुनाव लड़ने पर बैन लगा दिया गया है। इसे लेकर ब्रिटेन के

सांसदों ने भी चिंता जाहिर की। कार्यक्रम के दौरान ब्रिटेन के सांसदों, वकीलों और कार्यकर्ताओं ने अवामी लीग पर गैर-कानूनी बैन के बाद बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होने वाले चुनावों से पहले हमलों को लेकर चर्चा की।
उन्होंने देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सबको साथ लेकर चलने वाले चुनावों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अवामी लीग को भाग लेने की इजाजत नहीं दी गई तो आने वाले चुनावों में संवैधानिक वैधता की कमी होगी और लाखों आम बांग्लादेशियों को वोट देने का अधिकार नहीं मिलेगा।
कार्यक्रम में शामिल लोगों ने देश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ कार्यवाही के दौरान सही प्रक्रिया की कमी की भी आलोचना की। इसके अलावा, अधिकारियों पर न्यायपालिका को राजनीतिक दबाव के एक टूल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।ब्रिटेन के बैरिस्टरों ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट और यूए के स्पेशल रिपोर्टरों को पत्र लिखकर बांग्लादेश में बदले की हिंसा, बिना कानूनी कार्रवाई के फांसी, मनमानी हिरासत और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकारों के गलत इस्तेमाल में बढ़ोतरी पर चिंता जताई है।पिछले महीने, बॉब ब्लैकमैन ने बांग्लादेश की मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से देश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सबको साथ लेकर चलने वाले चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की थी।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पिछले साल जुलाई में हुए प्रदर्शनों के बाद मुश्किलों का सामना करने वाले अल्पसंख्यकों को देश के सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में बराबर का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।
ब्लैकमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए गए पोस्ट में कहा, मैं बांग्लादेश की मौजूदा सरकार से बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, हिस्सा लेने वाले और सबको साथ लेकर चलने वाले चुनाव सुनिश्चित करने की अपील करता हूं। चुनाव लोकतंत्र की नींव हैं और लोगों की इच्छा की सच्ची झलक हैं।
बयान में कहा गया, यूनुस सरकार ने कानून का राज फिर से स्थापित करने और न्याय और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के वादे के साथ पद संभाला था। हालांकि वादों के बावजूद, लोकतांत्रिक सुधार और संवैधानिक मूल्यों और शासन को फिर से शुरू करने की दिशा में उम्मीद के मुताबिक प्रगति नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बढ़ती ठंड से बचने के लिए जनपद वासियों को सुरक्षित रहने के बताए उपाय

आजमगढ़। मुख्य चिकित्सा अधिकारी आजमगढ़ द्वारा जनपद में वर्तमान में शीतलहर का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। समाचार पत्रों में प्रकाशित सूचनाओं के अनुसार दिन एवं रात के तापमान में लगभग 10 से 12 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने कहा कि अत्यधिक ठंड का सीधा असर विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं, हृदय, फेफड़े व श्वसन रोग से पीड़ित व्यक्तियों पर पड़ता है। शीतलहर के कारण सर्दी, खांसी, बुखार, सांस की तकलीफ, जोड़ों में दर्द एवं अन्य मौसमी बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए सभी नागरिकों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। डॉ. वर्मा ने जनसामान्य से अपील की कि बाहर निकलते समय शरीर को पूरी तरह ढकने वाले गर्म व सूखे कपड़े पहनें तथा सिर, कान, गला, हाथ और पैर अवश्य सुरक्षित रखें। अनावश्यक रूप से सुबह एवं देर शाम घर से बाहर निकलने से बचें। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए गर्म पेय पदार्थों, पौष्टिक एवं संतुलित आहार का सेवन करें तथा ठंडे व मादक पदार्थों से परहेज करें। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों एवं बुजुर्गों को ठंड से बचाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। घर को गर्म रखने के लिए खिड़की-दरवाजे बंद रखें, किंतु घर के अंदर अलाव अथवा आग जलाने से बचें, क्योंकि इससे दम घुटने एवं दुर्घटना की आशंका रहती है। पीने के लिए गुनगुने पानी तथा नहाने के लिए गर्म पानी का प्रयोग करें।मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि ठंड से अत्यधिक प्रभावित व्यक्ति, सांस लेने में कठिनाई, अत्यधिक कंपकंपी, सीने में दर्द या बेहोशी जैसी स्थिति होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकीय परामर्श लें। जनपद के समस्त सरकारी चिकित्सालयों को शीतलहर से संबंधित रोगियों के उपचार हेतु आवश्यक दवाइयों, संसाधनों एवं एम्बुलेंस सेवाओं को सतर्क अवस्था में रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सतर्क करें। किसी भी आपात स्थिति में 108 एम्बुलेंस सेवा अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सुबह-सुबह मौत का तांडव, इको कार के उड़े परखच्चे

आजमगढ। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे (ह्वा-254) पर मंगलवार भोर करीब 4 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में इको कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेरठ जिले के थाना सरधना क्षेत्र के ग्राम अलीपुर निवासी लोग इको कार से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर चल रहे एक ट्रक में इको कार तेज रफ्तार से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। दुर्घटना में एक्स (पुत्र विशेष), विशेष (पुत्र ओमवीर) तथा एक अज्ञात व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।वहीं, गंभीर रूप से घायल डोली (पत्नी विशेष), अंशिका (पुत्री विशेष), कार्तिक (पुत्र विशेष) और सत्या (अज्ञात चालक) को मुबारकपुर थाना पुलिस द्वारा जिला मंडलीय चिकित्सालय, आजमगढ़ में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।सूचना मिलते ही मुबारकपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाने के साथ मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने स्विफ्ट डिजायर को मारी टक्कर, चालक फरार

आजमगढ़। जनपद के बिलरियागंज थाना अंतर्गत तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। हीरापट्टी निवासी युवराज सिंह की स्विफ्ट डिजायर कार (रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 50 सीआर 9732) चालक नंदलाल राम, निवासी चांदपुर पटवध, कार लेकर पटवध सरैया बाजार से आजमगढ़ की ओर जा रहे थे। जैसे ही वाहन सेठारी गांव के पास पहुंचा, तभी सठियांव चीनी मिल से गन्ना खाली कर लौट रही तेज स्पीड में बिना नंबर प्लेट की ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सामने से कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गई। कार के सामने का दोनों एयरबैग खुल गया ड्राइवर को थोड़ी बहुत चोट आई,हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके पर ही वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए यातायात बाधित होने से बचाने के लिए दोनों वाहनों को सड़क किनारे कर दिया।

बृजभूषण उपाध्याय जिलाध्यक्ष, प्रदीप वर्मा महामंत्री चुने गए

आजमगढ। ग्रामीण पत्रकार एशोसिएशन की बैठक कस्बे के केशरीनंदन विद्यालय प्रांगण मे गुरुवार को हुई ।जिसमे जिला इकाई का पुनर्गठन सर्वसम्मति से हुआ।बृजभूषण उपाध्याय जिलाध्यक्ष और प्रदीप वर्मा महामंत्री चुने गये।
आयोजित बैठक मे प्रदेश नेतृत्व के निर्देशन पर इकाई का गठन हुआ।जिलाध्यक्ष के नाम का प्रस्ताव पूर्व जिलाध्यक्ष मधुसूदन पांडे ने किया जिसका प्रदीप वर्मा ने समर्थन किया।नये गठन मे कोषाध्यक्ष पद पर आशुतोष मिश्रा और महामंत्री पद पर प्रदीप वर्मा का चयन जिलाध्यक्ष ने किया।इकाई का विस्तार जिलाध्यक्ष द्वारा शिघ्र किया जायेगा।अध्यक्षता कर रहे मंडल अध्यक्ष बीरभद्र प्रताप सिंह ने कहा संगठन के लिए इकाई का मजबूत होना आवश्यक है।ग्रामीण पत्रकार आज भी गाव और कस्बों की समस्याओं को उजागर कर निराकरण की बखूबी जिम्मेदारी निभा रहे है।पूर्व जिलाध्यक्ष मधुसूदन पांडे ने संगठन सक्रियता पर बल दिया।संचालन कृष्णमोहन उपाध्याय ने किया।इस दौरान सत्येन्द्र सिंह.प्रभात सिंह.संतोष यादव.मनोज सिह.ओकांर मिश्र.रविन्द्र मिश्रा.चंद्रिका यादव.चंदन शर्मा.रघुवंश मणि त्रिपाठी.शमशाद अहमद.अरविंद कुमार आदि लोग रहे।

अदालत के फैसले को कांग्रेस ने बताया भाजपा की राजनीति की हार,आज़मगढ़ में मार्च

आजमगढ़ । राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ चलाए जा रहे राजनीतिक अभियान पर करारा प्रहार किया है। इस फैसले को कांग्रेस ने राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित आरोपों की हार बताया है।कांग्रेस का कहना है कि इस निर्णय से यह स्पष्ट हो गया है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ वर्षों से चलाया जा रहा अभियान पूरी तरह राजनीति से प्रेरित था।इसी क्रम में आजमगढ़ शहर कांग्रेस अध्यक्ष रियाजुल हसन के नेतृत्व में आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय का घेराव करने के लिए मार्च निकाला। हालांकि पुलिस द्वारा इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन को रोकने का प्रयास किया गया, जिसमें धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक विरोध को दबाने की कोशिश करार दिया।इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष रियाजुल हसन ने कहा, 'दिल्ली की अदालत का फैसला भाजपा की वर्षों पुरानी प्रतिशोध की राजनीति पर जोरदार तमाचा है। कांग्रेस नेतृत्व को बदनाम करने की सारी कोशिशें विफल हो चुकी हैं। अब समय आ गया है कि मोदी-शाह सरकार देश से माफी मांगे। कांग्रेस डरने वाली नहीं है, हम सड़कों से लेकर संसद तक इस अन्याय के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे।इस विरोध प्रदर्शन में राहुल राय, तेज बहादुर यादव, मुन्नू यादव, पूर्णमासी प्रजापति, मुन्नू मौर्या, मो. आमिर, मो. शाहिद खान, गुलाब राय, मंतराज यादव, प्रमोद यादव, मुरारी राय, अफ़ज़ल, कैप्टन अशोक वर्मा, सोनू, भोला सिंह, समीर अहमद, मुशीर अहमद, महताब आलम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कांग्रेस पार्टी ने दो टूक शब्दों में कहा कि वह लोकतंत्र, संविधान और न्यायपालिका पर पूर्ण विश्वास रखते हुए भाजपा की कथित दमनकारी और झूठी राजनीति का हर स्तर पर मुकाबला करती रहेगी।

बलिया-मुहर्रिर संघ ने बताया राजस्व विभाग अभिलेखागार में अनियमिता की समस्या

जनता का सच-समाचार,पत्र, रिपोर्ट-राजेश 'महाजन'मंडल-प्रभारी,आजमगढ़-मंडल (बलिया,मऊ,आजमगढ़)

बलिया-जानकारी के अनुसार विगत दिनों मुहर्रिर संघ ने राजस्व विभाग अभिलेखागार की समस्या को लेकर पंचानंद गुप्ता ,शिव कुमार आदि ने भाजपा नेत्री संध्या पांडेय से मिले थे और उप मुख्यमंत्री जी के नाम से एक प्रार्थना पत्र भी दिए थे

जिसे लेकर समस्या समाधान हेतु अपने लेटर पैड पर संध्या पांडेय क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य गोरखपुर क्षेत्र भाजपा ने जनपद वासियों के राजस्व अभिलेखागार रिकॉर्ड रूम में अभिलेख दस्तावेजों को रक्षित करने कंप्यूटर पर चढ़ाने एवं विभाग में कई सारे हो रहे अनियमिता की समस्या को लेकर तथा नगर पालिका परिषद नगर बलिया की भूमि जमींदारी प्रथा टूटने के बाद भी आज तक राजस्व विभाग की लापरवाही के कारण नान जेड़े हैं इसे जेडे करने के संबंध में उप-मुख्य मंत्री मा०बृजेश पाठक जी से तथा परिवहन मंत्री नगर विधायक दयशंकर सिंह जी से लखनऊ में मिलकर समस्या का समाधान हेतु तो प्रार्थना पत्र दी आश्वासन प्राप्त हुआ कि शीघ्र निस्तारण किया जाएगा तमाम दस्तावेज फट चुके हैं- 1956- आदि का कोई रिकॉर्ड ही नहीं मिलता है कोई देख भाल दस्तावेजों का नहीं होती है ऐसा ही रहा तो आगे कोई भी रिकॉर्ड सुरक्षित नहीं रह पाएगा कभी-कभी भू माफिया जान बूझकर गायब करवा देते हैं दस्तावेज फट जाने के कारण आम जन को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बलिया-पेंशनर दिवस के अवसर पर किया गया सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन

रिपोर्ट-राजेश 'महाजन'-बलिया

बलिया-पेंशनर्स दिवस समारोह में का आयोजन दिनांक-17-दिसम्बर-2025-दिन बुधवार को किया गया जिसमें जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कहा कि सेवा निवृति एक सामान्य प्रक्रिया है जिससे हर सरकारी सरकारी कर्मचारी को एक न एक दिन गुजरना पड़ता है उन्होने कहा कि इस समारोह में जो भी पेशनर्सो की समस्या मेरे सामने आयी उसका गम्भीरता से संज्ञान लेकर तत्काल समाधान किया जायेगा कहा कि समरोह संगीत मय महौल में हो रहा है मै चाहता तो था कि अपने बुजुर्गो के बीच कुछ आखिरी तक रहता लेकिन प्रशासनिक व्यस्तता के कारण आपके बीच से जा रहा हूं डीएम ने आश्वस्त किया आप लोग जब भी बुलाएगे हम आपके बीच जरुर मौजूद मिलूगां जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह

यहां गंगा बहुउद्देशीय सभागार मे बतौर मुख्य अतिथि-अपने विचार व्यक्त कर रहे थे मुख्य अतिथि-का स्वागत करते हुए वरिष्ठ कोषाधिकारी-आनन्द दूबे ने कहा कि डीएम साहब ने अपने बहुमूल्य समय में पेंशनर्स दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए दिया।इसके हम अपने सभी पेंशनर्स की तरफ से उनके हृदय से आभारी है।श्री दूबे ने कहा कि डीएम साहब के आश्वसन से पेंशनर्स में नयी ऊर्जा का संचार देखने को मिला।पेंशनर्सो की समस्याओं को गम्भीरता से समाधान कराने का भरोसा दिलाया इसके उनके द्वारा उनकी समस्या के निस्तरण मे जो भी मार्ग दर्शन मिलेगा उसका अक्षरशःपालन किया जायेगा समारोह में-80-90-वर्ष के पेंशनर्सो को अंगवस्त्रम से सम्मानित किया गया और कवि आबिद अली के स्वागत गीत सहित अन्य प्रस्तुतियो की सराहना हुई पेंशनर्स दिवस समारोह की अध्यक्षता जिलाधिकारी मंगलाप्रसाद सिंह तथा संचालन शिक्षा विभाग से सेवा निवृत प्रेम सुख ने किया है।इस अवसर पर सैकड़ो की सख़्या में पेंशनर्स मौजूद रहे।

बलिया-सिख समाज के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश उत्सव के अवसर के पूर्व निकाली गई प्रभात फेरी

रिपोर्ट-राजेश 'महाजन'-बलिया

बलिया-श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज के पावन प्रकाश उत्सव के उपल्क्ष में गुरूदरबार से प्रभात फेरी जो विगत एक सप्ताह से निकाली जा रही है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार जगजीत सिंह चावला एवं कमेटी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गण व साथ संगत जी शुक्रवार की सुबह-6-बजे कड़ाके की ठंड में प्रभात फेरी निकाली गई जो पूर्व निर्धारित मार्ग -गुरुदरबार से चौक, आर्य समाज रोड, माल गोदाम, शीश महल से नया चौक जापलिंगगंज,राम लीला मैदान,एलङ्गईङ्गसीङ्ग रोड विजय सिनेमा रोड, चौक होते गुरुदरबार वापस आया जलपान की सेवा- सरदार इंद्रजीत सिंह के परिवार द्वारा गुरुदरबार में छकाया गया प्रभातफेरी में लगभग 150 सिख समुदाय मौजूद रहे। जिसमे सरदार स्वर्ण सिंह तजेंद्र सिंह ,रणजीत सिंह,बलबीर सिंह, सुरजीत सिंह, हरेंद्रपाल सिंह जगमीत सिंह हरजीत सिंह चावला, सुरेंद्र सिंह,अमृतपाल सिंह, इन्द्रपाल सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

बलिया-मुहर्रिर संघ ने बताया राजस्व विभाग अभिलेखागार में अनियमिता की समस्या

रिपोर्ट-राजेश महाजन-बलिया

बलिया-जानकारी के अनुसार विगत दिनों मुहर्रिर संघ ने राजस्व विभाग अभिलेखागार की समस्या को लेकर पंचानंद गुप्ता ,शिव कुमार आदि ने भाजपा नेत्री संध्या पांडेय से मिले थे और उप मुख्यमंत्री जी के नाम से एक प्रार्थना पत्र भी दिए थे जिसे लेकर समस्या समाधान हेतु अपने लेटर पैड पर संध्या पांडेय क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य गोरखपुर क्षेत्र भाजपा ने जनपद वासियों के राजस्व अभिलेखागार रिकॉर्ड रूम में अभिलेख दस्तावेजों को रक्षित करने कंप्यूटर पर चढ़ाने एवं विभाग में कई सारे हो रहे अनियमिता की समस्या को लेकर तथा नगर पालिका परिषद नगर बलिया की भूमि जमींदारी प्रथा टूटने के बाद भी आज तक राजस्व विभाग की लापरवाही के कारण नान जेड़े हैं इसे जेडे करने के संबंध में ?उप-मुख्य मंत्री मा०बृजेश पाठक जी से तथा परिवहन मंत्री नगर विधायक दयशंकर सिंह जी से लखनऊ में मिलकर समस्या का समाधान हेतु तो प्रार्थना पत्र दी आश्वासन प्राप्त हुआ कि शीघ्र निस्तारण किया जाएगा तमाम दस्तावेज फट चुके हैं- 1956- आदि का कोई रिकॉर्डिंग ही नहीं मिलता है कोई देख भाल दस्तावेजों का नहीं होती है ऐसा ही रहा तो आगे कोई भी रिकॉर्ड सुरक्षित नहीं रह पाएगा कभी-कभी भू माफिया जान बूझकर गायब करवा देते हैं दस्तावेज फट जाने के कारण आम जन को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बलिया-टाउन एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा मनायी गयी शिक्षा मालवीय स्व0मुरली बाबु की-131-वीं जयंती

रिपोर्ट-राजेश 'महाजन'-बलिया

बलिया-जनपद के शिक्षा मालवीय स्व०मुरली बाबू की-131-वीं जयंती बुधवार को श्री मुरली मनोहर टाउन इंटर कॉलेज में उनकी प्रतिम स्थल के पास समारोह पूर्वक मनाई गई मुरली बाबू द्वारा स्थापित पांच शिक्षण संस्थान श्री मुरली मनोहर टाउन इंटर कॉलेज, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय,गुलाब देवी बालिका इंटर कॉलेज,गुलाब देवी स्नातकोत्तर महिला महा विद्यालय और टाउन पॉलिटेक्निक के प्रबंध समितियों के पदाधिकारी गण, प्राचार्य/प्रधानाचार्य,शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी,छात्र छात्राओं ने मुरली बाबू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री शंभूनाथ श्रीवास्तव थे अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने मुरली बाबू को याद करते हुए उनके द्वारा किए गए शिक्षा जगत में अभूतपूर्व कार्यों की सराहना की । मुरली बाबू इसके लिए आज तो याद किए ही जा रहे हैं आगे लंबे समय तक याद किए जाते रहेंगे। मुख्य अतिथि ने टाउन एजुकेशनल सोसाइटी के समस्त शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता एवं छात्रों के समग्र विकास की ओर विशेष ध्यानाकर्षण रहना चाहिए कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई। मुख्य अतिथि का स्वागत टाउन एजुकेशनल सोसायटी के सचिव राकेश कुमार ने किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने मुरली बाबू की प्रतिमा को माला पहनाई और उन्हें नमन किया। समारोह में पांचों शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य व प्रधानाचार्य ने शिक्षण संस्थानों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने पांचों शिक्षण संस्थानों के मेधावी छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया साथ ही टाउन एजूकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष व सचिव ने पांचो शिक्षण संस्थानों के अवकाश प्राप्त शिक्षकों और कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्रम से सम्मानित किया । टाउन एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष दीपक वर्मा ने अध्यक्षीय भाषण किया तथा गुलाब देवी इंटर कॉलेज के प्रबंधक, प्रबंध समिति, श्री नलिनेश श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का आयोजन टाउन एजुकेशनल सोसाइटी के तत्वाधान में प्रबन्धक, प्रबंध समिति श्री मुरली मनोहर टाउन इंटर कॉलेज, श्री सुभाष चंद्र श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य श्री ईश्वर दयाल मिश्रा द्वारा किया गया। संचालन प्रोफेसर डॉ अशोक सिंह ने किया। मचासीन अतिथियों में श्री कमलेश कुमार श्रीवास्तव, श्री अमर कुमार एवं श्री राजेंद्र वर्मा जी रहे कार्यक्रम में मुख्य रूप से जस्टिस ओम प्रकाश श्रीवास्तव,अशोक कुमार पाठक, पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक, विनोद कुमार दुबे अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक,श्री कमलेश कुमार सिंह,श्री खड़ग बहादुर सिंह उपस्थित रहे।

बलिया-भाजपा के झूठे प्रोपेगैंडा को लेकर कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

रिपोर्ट-राजेश महाजन-बलिया

बलिया-जिला कांग्रेस कमेटी बलिया ने भाजपा के विरोध में दिनांक-18-दिसम्बर-2025-दिन गुरुवार को प्रदर्शन किया भाजपा सरकार द्वारा सैंवाधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करके कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओ पर झूठा मुकदमा कायम करायाऔर उनके व्यक्तित्व का हनन करने का प्रयास किया ईडी की चार्जशीट न्यायालय में टाय टाय फिश हों गयी और न्यायालय ने ईडी से कहा कि नेशनल हेराल्ड में मुकदमा कायम जैसा कोई बात नहीं दिखाई दे रही है बलिया जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने कहा कि भाजपा द्वारा बार-बार प्रोपेगैंडा फैलाया जाता हैं कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने इन घोटाला में आरोपी है जबकि एड और सी०बी०आई०जैसी संस्था कभी इसके पक्ष में कभी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाई इसका स्पष्ट उदाहरण नेशनल हेराल्ड केस और 2ऋ स्पेक्ट्रम केस को उठाकर देख लीजिए दोनों को भारतीय जनता पार्टी ने बहुत जोर जोर से मुद्दा बनाया था लेकिन न्यायालय में जाते ही यह सारे आरोप निराधार हो गए हमारे नेता श्रीमती सोनिया गांधी और प्रत्यक्ष के नेता राहुल गांधी आग की भट्ठी से तप कर जैसे सोना निकलता हैं उसी तरह से हमारी ये दोनों नेता सभी आरोपी को धत्ता ठहरा कर निर्दोष निकलते हैं।

भारतीय जनता पार्टी को दैनिक भैया शर्म नहीं है कि वो ईडी और सीबीआई जैसी संस्था को अपने सत्ता के लिए दुरुपयोग कर रहे हैं। जिला कांग्रेस की महिला अध्यक्ष अनुपमा सिंह ने कहा कि जब तक भारतीय जनता पार्टी के नेता हमारे नेता के खिलाफ झूठी प्रोपेगैंडा फैलाएंगे तब तक हम भाजपा के विरोध में प्रदर्शन करते रहेंगे।

प्रदर्शन करने वालों में प्रमुख रूप से. संतोष चौबे, सत्य प्रकाश उपाध्याय मुन्ना,हीरा राम, सागर सिंह राहुल,राजेन्द्र चौधरी, जैनेन्द्र पाण्डेय मिंटू,ओम प्रकाश तिवारी, सुजीत पाठक, विवेक ओझा, सिद्ध नाथ तिवारी,फुल बदन तिवारी, राज नारायण उपाध्याय, महाप्रसाद चौबे, विजेन्द्र पाण्डेय मुखिया, शशिकांत मिश्रा,सुशील श्रीवास्तव, सूर्य कान्त यादव,बलवन्त चौहान,धुरी सिंह , प्रेम चन्द मौर्य अंजनी राम, प्रेम चन्द यादव हृदय नन्द पाण्डेय, अभिजीत तिवारी सत्यम, अमरनाथ,मदन यादव, बबलू शर्मा,वंश बहादुर, बहादुर सिंह मनदीप खरवर गिरीश कांत गांधी आदि लोग उपस्थित रहे।

बलिया-महिला कल्याण विभाग उत्तर-प्रदेश द्वारा शक्ति फेज-5.0 के तहत 'बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ' कार्यक्रम का आयोजन

रिपोर्ट-राजेश महाजन-बलिया

बलिया-महिला कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत डॉ०अमरेन्द्र कुमार पौस्त्यायन जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देश के क्रम में उलउ नरही ब्लॉक सोहाव, बलिया में 'कन्या-जन्मोत्सव' कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में बालिकाओं के जन्म को उत्सव के रूप में मनाना, उनके अधिकारों के प्रति समाज को जागरूक करना तथा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' संदेश को प्रत्येक परिवार तक पहुँचाना रहा कार्यक्रम में ब्लॉक कार्यक्रम संयोजक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जन्मी नवजात कन्याओं का पारंपरिक तरीके से बेबी किट,सोन पापड़ी, डायपर, कम्बल,बेबी कपड़ा और सामन पत्र वितरण कर स्वागत किया गया। माताओं को पोषण, स्वास्थ्य, प्रसवोत्तर देखभाल तथा बालिकाओं की शिक्षा व सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान की गई इस कार्यक्रम में अंजली सिंह जिला मिशन समन्वयक और निकिता सिंह जेंडर स्पेशलिस्ट(Hew)द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया और पात्र लाभार्थियों को आवेदन में सहयोग किया गया इस कार्यक्रम में प्रिया सिंह सेंटर मैनेजर वन स्टॉप सेंटर,निकिता सिंह जेंडर स्पेशलिस्ट का फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन रंजना होमगार्ड आशा बहु, ग्रामीण महिलाएं इसलिए प्रत्येक बेटी के जन्म को सम्मान, उत्साह और गर्व के साथ मनाया जाना चाहिए कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों,आशा कार्यकताओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों,जन प्रति निधियों तथा स्थानीय महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और समाज को बालिकाओं के अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने का संकल्प लिया ।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।